सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

RNI No: UPHIN/2023/86769

www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

मूल्यः ₹02

स्वराज इंडिया

सांध्यकालीन समाचार पत्र

कानपुर, शुक्रवार, 29 अगस्त, 2025

वर्षः 02, अंकः 228, पृष्ठः 8+4

'मारो-तोड़ो, जितना मारना-तोड़ना है...'

इनसाइड छोटे बच्चों को बड़े सपने दिखा रहे शिक्षक राजनलाल... » Pg 04

» Pg 12

संभल : 45 से 15-20 प्रतिशत पर आ गई गई हिन्दू आबादी

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में 24 नवंबर 2024 को शाही जामा मस्जिद के कोर्ट-आदेशित सर्वे के दौरान भड़की हिंसा और क्षेत्र में दशकों से हो रहे जनसांख्यिकीय बदलाव पर गठित न्यायिक आयोग ने अपनी विस्तृत रिपोर्ट मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सौंप दी। इस 450 पन्नों की रिपोर्ट ने कई सनसनीखेज तथ्य उजागर किए हैं, जिनके सामने आते ही प्रदेश की सियासत गरमा गई है। इलाहाबाद हाईकोर्ट के रिटायर्ड न्यायमूर्ति डी.के. अरोड़ा की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय आयोग ने यह रिपोर्ट तैयार की है। आयोग में पूर्व डीजीपी ए.के. जैन और पूर्व अपर मुख्य सचिव अमित मोहन प्रसाद सदस्य रहे। आयोग ने लगभग नौ माह की जांच के बाद रिपोर्ट मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सौंपी। इस दौरान उनके प्रमुख सचिव संजय प्रसाद भी मौजूद रहे।

24 नवंबर 2024 की हिंसा : रिपोर्ट के अनुसार, शाही जामा मस्जिद परिसर में सर्वे के दौरान भारी पथराव, आगजनी और पुलिस पर हमला हुआ। इस हिंसा में चार लोगों की मौत हुई, कई पुलिसकर्मी और आम नागरिक घायल हुए। भीड़ को काबू करने के लिए पुलिस को फायरिंग करनी पड़ी। इस घटना से जुड़ी 12 एफआईआर दर्ज की गईं और 80 से अधिक लोगों की गिरफ्तारी हुई।

आज़ादी से अब तक 15 बड़े दंगे : पैनल की रिपोर्ट बताती है कि आज़ादी के बाद से अब तक संभल में 15 बड़े दंगे हो चुके हैं। प्रत्येक दंगे की तिथि, हताहतों का ब्यौरा और प्रशासनिक कार्रवाई का विवरण रिपोर्ट में दर्ज है। आयोग का कहना है कि लगभग हर बार दंगों के पीछे सुनियोजित साजिश, राजनीतिक हस्तक्षेप और स्थानीय जनसांख्यिकीय असंतुलन की भूमिका सामने आई।

» योगी को सौंपी गई संभल हिंसा-डेमोग्राफी बदलाव रिपोर्ट

डेमोग्राफी में बड़ा बदलाव : सबसे चौंकाने वाला खुलासा जनसंख्या के आंकड़ों से जुड़ा है। 1947 में संभल नगर पालिका क्षेत्र में हिंदुओं की आबादी 45 प्रतिशत और मुसलमानों की 55 प्रतिशत थी। रिपोर्ट के अनुसार आज हिंदुओं की आबादी घटकर 15-20 प्रतिशत के बीच रह गई है, जबकि मुसलमानों की हिस्सेदारी बढ़कर लगभग 85 प्रतिशत तक पहुंच गई है। पिछले 78 वर्षों में हिंदुओं की जनसंख्या में करीब 30 प्रतिशत की कमी आई है। आयोग ने इस बदलाव के पीछे तुष्टिकरण की राजनीति, बार-बार दंगों की साजिश, भय का वातावरण और योजनाबद्ध पलायन को जिम्मेदार ठहराया है। रिपोर्ट कहती है कि हजारों हिंदू परिवार भयवश संभल से पलायन कर गए।

मंदिर के साक्ष्य व हथियार बरामदगी का दावा

रिपोर्ट में कहा गया है कि मस्जिद परिसर के सर्वे के दौरान हरिहर मंदिर के ऐतिहासिक साक्ष्य मिले, जिससे तनाव और बढ़ गया। आयोग ने यह भी दर्ज किया कि सर्वे के दौरान अवैध हथियार और विदेशी निर्माण सामग्री बरामद होने की जानकारी सामने आई। हिंसा से जुड़ी जांच में कुल 159 लोगों को आरोपी चिह्नित किया गया। आयोग ने सिफारिश की है कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रशासन को अधिक सतर्क रहना होगा। सामाजिक संवाद को बढ़ावा देने, संवेदनशील इलाकों में खुफिया तंत्र को मजबूत करना होगा।

सियासत गरमाई, शुरु हुआ आरोप-प्रत्यारोप

रिपोर्ट आते ही राजनीति गरमा गई है। भाजपा इसे तुष्टिकरण और अतीत की गलत नीतियों का नतीजा बता रही है, वहीं विपक्ष ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा है कि जनता की मूल समस्याओं से ध्यान हटाने के लिए इस रिपोर्ट को आगे लाया गया है। विपक्ष का आरोप है कि सरकार मुद्दों से भटकाने और ध्रुवीकरण की राजनीति करने में जुटी है। रिपोर्ट अब कैबिनेट में रखी जाएगी और उसके बाद विधानसभा में इस पर चर्चा की संभावना है। जनसांख्यिकीय बदलाव से जुड़े ये निष्कर्ष आने वाले समय बड़ा मुद्दा बन सकते हैं।

आर्थिक फोरम पीएम मोदी के आगमन पर जापान में रहने वाले भारतीय समुदाय के लोगों में गजब का उत्साह दिखा

जापान के पीएम से की मुलाकात, व्यापार समेत कई मुद्दों पर हुई बात

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो/एजेंसी

नई दिल्ली। जापान दौरे पर पीएम मोदी ने भारत-जापान आर्थिक फोरम में शिरकत की और कहा कि भारत और जापान में सहयोग की अपार संभावनाएं हैं। इससे पहले जापान दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। पीएम मोदी के आगमन पर जापान में रहने वाले भारतीय समुदाय के लोगों में गजब का उत्साह दिखा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश और तकनीकी क्षेत्रों सहित समग्र द्विपक्षीय संबंधों को और विस्तारित करने पर बात की। शिखर वार्ता से पहले प्रधानमंत्री ने भारत-जापान व्यापार मंच को संबोधित करते हुए कहा कि जापान की प्रौद्योगिकी और भारत की प्रतिभा मिलकर इस सदी की तकनीकी क्रांति का नेतृत्व कर सकती है।

पूर्व जापानी समकक्षों से मिले पीएम मोदी : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को पूर्वी एशियाई देश की अपनी दो दिवसीय यात्रा के दौरान अपने पूर्व जापानी समकक्षों योशीहिदे सुगा और फुमियो किशिदा से मुलाकात की। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की व्यापार और टैरिफ नीतियों को लेकर वाशिंगटन के साथ नई दिल्ली के संबंधों में तनाव के बीच आज सुबह टोक्यो पहुंचे पीएम मोदी ने जापान के प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष फुकुशिरो नुकागा से भी मुलाकात की।

पीएम मोदी के दौरे पर क्या बोले राजीव खन्ना : सुमितोमो मित्सुई बैंकिंग कॉर्पोरेशन के प्रबंध कार्यकारी निदेशक और कंपनी के भारतीय बाजार के प्रमुख राजीव खन्ना ने पीएम मोदी के जापान दौरे पर कहा, 'यह प्रधानमंत्री मोदी की नौवीं जापान यात्रा है। वे जापान, जापानी कंपनियों और जापानी लोगों से बेहद परिचित हैं। कई वर्षों के बाद अपनी यात्रा के दौरान उनका व्यापार पर ध्यान केंद्रित करना बहुत सकारात्मक है। जापानी कंपनियां भारत में इंजीनियरों की महत्वपूर्ण आपूर्ति का लाभ उठा सकती हैं।

गूगल मैप की कार को चोर समझकर ग्रामीणों ने पकड़ा

» चोरी की घटनाओं से आक्रोशित ग्रामीणों ने कार का रास्ता रोका

» पुलिस ने समझाकर कराया मामला शांत, कार को सुरक्षित छोड़ा

प्रमुख संवाददाता/ स्वराज इंडिया

कानपुर। महोलिया गांव में गुरुवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई जब गूगल मैप की कैमरा लगी कार को ग्रामीणों ने चोरों की गाड़ी समझकर रोक लिया। गांव में अचानक आई कार की छत पर लगा 360 डिग्री कैमरा देखकर लोगों को शक हुआ। कुछ ही देर में अफवाह फैल गई कि चोर इलाके में घूम रहे हैं। देखते ही देखते ग्रामीणों ने कार को चारों ओर से घेर लिया और रास्ते में लकड़ियां डालकर उसे रोक लिया।ग्रामीणों का गुस्सा इस कदर बढ़ा कि उन्होंने कार में बैठे कर्मचारियों से पूछताछ शुरू कर दी। इस दौरान कुछ लोगों ने हंगामा भी किया।

कार में बैठे गूगल कंपनी के कर्मचारी घबराकर अंदर से ही पुलिस को फोन करने लगे। सूचना मिलते ही साढ़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और भीड़ को समझाया। पुलिस ने स्थिति को संभालते हुए कार को सुरक्षित रवाना किया।

गांव में आक्रोश का कारण हाल ही में हुई चोरी और लूट की घटनाएं बताई जा रही हैं। ग्रामीणों का कहना है कि बीते दिनों शाहपुर उमरा गांव में नौ माह के बच्चे पर तमंचा लगाकर लूट की वारदात हुई थी।

इसके अलावा इलाके में लगातार चोरी की घटनाएं हो रही हैं, जिससे लोग पहले से ही डरे और नाराज थे। इसी वजह से गुरुवार को जब कैमरा लगी कार दिखी तो ग्रामीणों ने उसे चोरों का गैंग समझ लिया और घेराबंदी कर दी।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि गूगल कंपनी स्ट्रीट व्यू मैपिंग का काम कर रही थी। इसके लिए कैमरा लगी कार गांव से गुजरी थी। कैमरे से अपरिचित ग्रामीणों ने इसे संदिग्ध समझकर अफवाह फैला दी। पुलिस ने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि कार पूरी तरह सुरक्षित और अधिकृत काम कर रही थी।गांव के लोगों ने बताया कि लगातार हो रही चोरी और लूट से उनकी नींद हराम हो चुकी है। महिलाएं व बुजुर्ग रात में घरों से बाहर निकलने से डरते हैं। ग्रामीणों ने पुलिस से मांग की है कि इलाके में रात्रि गश्त बढ़ाई जाए ताकि ऐसी घटनाओं पर रोक लग सके और लोग सुरक्षित महसूस कर सकें।

सरकारी स्कूलों में ड्रॉप आउट रेट कम करने पर लेंगे सुझाव

» सितंबर के पहले सप्ताह में होगी बैठकें

शिक्षक और अभिभावक बैठकों में छात्रों की उपस्थिति बढ़ाने की बनाई जाएगी रणनीति

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर । प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों में सितंबर में शिक्षक-अभिभावक (पीटीएम) बैठकों का आयोजन किया जाएगा। इन बैठकों में जहां बच्चों के परिणाम की चर्चा होगी वहीं इसके साथ ही इन बैठकों में बच्चों के नियमित विद्यालय आने, उनका स्कूल में ठहराव बढ़ाने व ड्रॉप आउट रेट को कम करने पर अभिभावकों से सुझाव लिया जाएगा। इसके अनुसार आगे सुधार की प्रक्रिया की जाएगी।

बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से स्कूलों की शैक्षिक व्यवस्था में सुधार के लिए समय-समय पर सभी हितधारकों से सुझाव लिए जाते हैं। इसी क्रम में हाल ही में अगस्त-सितंबर में शिक्षक अभिभावक बैठकों के आयोजन के भी निर्देश दिए गए हैं। इसमें कहा गया है कि इस बैठक के माध्यम से स्कूलों में बच्चों के ड्रॉप आउट रेट कम करने के लिए चर्चा की जाए। अभिभावकों को नियमित बच्चों को स्कूल भेजने के लिए प्रेरित किया जाए। इसके साथ ही शिक्षा के महत्व से अभिभावकों को अवगत कराया जाएगा। बच्चे के अधिगम स्तर पर अभिभावक से चर्चा कर घर में इसके लिए ध्यान देने को प्रेरित किया जाएगा।

बच्चों को लिखकर अभ्यास करने के लिए प्रेरित करेंगे। इससे निपुण लक्ष्य को प्राप्त करने में आसानी होगी। इसी तरह ऑपरेशन कायाकल्प में 19 बिंदुओं पर हो रहे काम की प्रगति से अभिभावक को अवगत कराते हुए इसमें अपेक्षित सुधार के लिए सुझाव लेंगे। महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा की ओर से सभी बीएसए को निर्देश दिया गया है कि इन बैठकों में दिव्यांग बच्चों के लिए चलाए जा रहे कार्यक्रमों व योजनाओं की जानकारी भी दी जाए। दीक्षा एप पर त्रैमासिक बैठक की कार्ययोजना बनाई जाए। इस क्रम में कुछ जिलों में अगस्त के अंत में तो अधिकतर जगह पर सितंबर के पहले सप्ताह में यह बैठकें आयोजित की जा रही हैं। इसमें बच्चों के परीक्षा परिणाम साझा करने के साथ ही अन्य सभी मुद्दों पर भी चर्चा की जाएगी।

होर्डिंग मुद्दा

(यशोदानगर स्थित बजरंग चौराहे के गणेश महोत्सव कार्यक्रम का मामला...)

आयोजकों ने किया भूल सुधार लेकिन अध्यक्ष गलती मानने को नहीं तैयार

मुख्य संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर । स्वराज इंडिया द्वारा बाखबर किए जाने के बाद अब कानपुर नगर के यशोदा नगर स्थित बजरंग चौराहा के निकट होने वाले श्री गणेश महोत्सव के स्वागत द्वार पर अब गणेशजी स्पष्ट नजर आ रहे हैं । गजानन की फोटो संबंधी खबर पर लोगों की व्यापक और तीखी प्रतिक्रिया प्राप्त हुई है। संत समाज, प्रतिष्ठित जन और आम लोगों ने आयोजकों द्वारा भगवान गणेश की फोटो को वरीयता देने के स्थान पर आयोजकों की खुद का चेहरा और नाम चमकाने की मनोवृत्ति का जबरदस्त विरोध किया है। लेकिन महोत्सव का आयोजन कर रही बजरंग गणेश महोत्सव समिति के अध्यक्ष को अपनी गलती का एहसास ही नहीं है। कल्याणपुर स्थित आशा माता मंदिर के महंत श्री आशुतोष गिरी जी महाराज ने आयोजकों को आड़े हाथों लेते हुए फोटो को सही करने और इस गलती के लिए समाज से माफी मांगने को कहा है।

उन्होंने कहा ऐसे लोगों ने भक्तों की धार्मिक भावनाओं को आहत किया है। प्रशासन को उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करनी चाहिए। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के प्रमुख शिष्य ब्रह्मचारी भावानंद जी ने इस पर व्यंग्यात्मक टिप्पणी करते हुए कहा एक बार भगवान शंकर ने गणेश जी को मस्तक विहीन कर दिया था और आज अपने नाम के चक्कर में इन मूर्खों ने गणेश जी का अपमान किया है। उन्होंने भी आयोजकों से तत्काल भूल सुधारने को कहा। आम जनमानस में भी बजरंग चौराहा के गणेश महोत्सव ने भी स्वागत द्वार पर नजर आ रही मस्तकविहीन गणेश जी की तस्वीर के संबंध में तीखी प्रतिक्रिया प्रकट की।

स्वराज इंडिया में प्रकाशित खबर का हुआ असर, बैनर चेंज किया गया

आयोजकों द्वारा किया गया ऐसा कृत्य निंदनीय है जहां ईश्वर का सम्मान ही समितियों द्वारा नहीं किया जा रहा है वहां किस प्रकार से पूजापाठ उचित रूप से हो रही होगी

अभय द्विवेदी

समिति के सदस्यों को ईश्वर से ज्यादा खुद की लोकप्रियता पर ज्यादा ध्यान केंद्रित किया गया है इसलिए उन्होंने भगवान की जगह अपने चेहरे का महिमामंडन किया है

अनुरंजन शुक्ला

आज के समय में धार्मिक कार्यक्रम पूरी तरह से राजनीतिक हो गए है जहां सेवा की भावना की जगह राजनीतिक प्रगति पर आवश्यक है ऐसे असामाजिक कृत्य इसी का परिणाम है

सत्यम तिवारी

गलती सुधारने की प्रक्रिया की शुरुआत गलती मानने से होती है?। जिन मूर्खों को दो दिन तक धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाला दृश्य नहीं दिख रहा था, वह कतई गणेश भक्त नहीं हो सकते। आयोजकों को भूल सुधार के साथ ही सार्वजनिक रूप से माफी मांग कर प्रायश्चित करना चाहिए।

प्रदीप तिवारी एडवोकेट

चलो मान लिया पहले आयोजकों की नजर नहीं गई होगी। पत्रकार द्वारा बताने के बाद भी गलती का एहसास ना होना आयोजकों की हठधर्मिता और अड़ियल रवैए का परिचायक है।

प्रमेन्द्र साहू एडवोकेट

एक बार शंकर जी ने अपने पुत्र गणेश का सर काटा था,फिर माता पार्वती नाराज हुई थीं। माता कुपित हों उससे पहले इन मूर्खों को भूल सुधार के साथ ही प्रायश्चित कर लेना चाहिए।

ब्रह्मचारी भावानंदजी महाराज

यह भगवान का अपमान है। आस्था से खिलवाड़ है। आयोजकों को तुरंत गलती सुधारते हुए माफी मांगनी चाहिए।

अभिषेक त्रिपाठी एडवोकेट

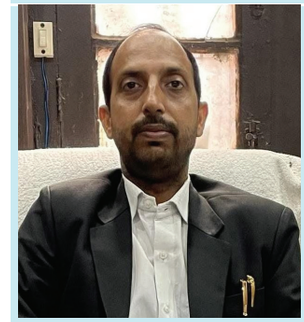
इष्ट देव के स्थान पर स्वयं की फोटो को वरीयता देना निंदनीय है। आयोजकों को भूल सुधार कर तुरंत माफी मांगनी चाहिए।

पंकज दीक्षित
संयुक्त मंत्री -कानपुर बार एसोसिएशन

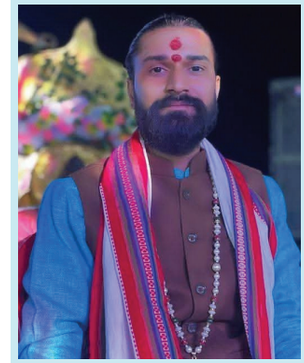
गणेश महोत्सव किसी व्यक्तियों के समूह का न होकर पूरे समाज का उत्सव है इसमें अपनी फोटो चमकाने वाले भक्ति से कोई सरोकार नहीं है

अभय शुक्ला शास्त्री

अहंकारी अध्यक्ष को नही गलती का एहसास

यशोदा नगर बजरंग चौराहे पर गणेश महोत्सव करा रही बजरंग गणेश महोत्सव समिति को कल तक अपनी गलती का एहसास नहीं था। अपरिपक्व नजर आ रही इस कमेटी के अध्यक्ष का अहंकार तो किसी बड़े प्रभावशाली पद पर बैठे व्यक्ति से भी कई गुना ज्यादा नजर आया। स्वराज इंडिया प्रतिनिधि द्वारा जब अध्यक्ष गोपाल तिवारी का पक्ष जानने के लिए मोबाइल पर संपर्क किया गया तो उसके द्वारा फोन पर अपना पक्ष रखने से इनकार कर दिया गया। इतना नहीं उसे जब गलती पर पक्ष रखने का दोबारा आग्रह किया गया तो उसने कहा क्या तुम हमें धमका रहे हो। हद तो तब हो गई जब गलती स्वीकार करने, सुधार की बात करने के स्थान पर वह उल्टा पत्रकार से ही पूछने लगा तुमने कितने गणेश महोत्सव का सर्वे किया है? मुझे सब जगह के वीडियो भेजो।

राजनलाल के स्कूल की जीवंत तस्वीर।

कक्षा में बच्चों को सिखाने का अनूठा तरीका

छोटे बच्चों को बड़े सपने दिखा रहे शिक्षक राजनलाल

» अवनीश यादव, स्वराज इंडिया

बिल्हौर (कानपुर)। आंखों में जब सपने होते हैं तो नींद कोसों दूर होती है। कुछ ऐसा ही फलसफा जुड़ा हुआ है कानपुर नगर की बिल्हौर तहसील के चौबेपुर विकास खंड के गांव बंसठी के परिषदीय विद्यालय के सहायक अध्यापक राजन लाल की जिंदगी से। राजन लाल ने शिक्षा पर नवाचार में इतने प्रयोग किए कि लोग सोचने लग जाएं। और वर्षों पहले उनके द्वारा शुरू की गई कोशिशों ने आज रंग दिखाया है। उनका नाम राज्य शिक्षक पुरस्कार के लिए चयनित किया गया। 5 सितम्बर को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों उन्हें इस पुरस्कार से नवाजा जाएगा।

वर्ष 2003 में बंसठी के प्राथमिक विद्यालय से सहायक अध्यापक के रूप में अपने शैक्षणिक सफर की शुरूआत करने वाले राजन लाल आज शिक्षा जगत में किसी परिचय के मोहताज नहीं रह गए हैं। साधारण से परिवार में पले-बढ़े राजनलाल की कोशिशों ने उन्हें आज असाधारण बना दिया है। राज्य शिक्षक पुरस्कार की सूची जारी होते ही वह चर्चा में आ गए। उन्होंने जिस समय स्कूल में पहला कदम रखा था। उस समय उनके दिमाग में अपने पिता के द्वारा कहे गए वह शब्द तेजी से घूम रहे थे। जिसमें उन्होंने कहा था कि बेटा कभी भी अपनी जन्मभूमि और कर्मभूमि के साथ अन्याय न करना। इससे सेवा पंजिका में कभी भी लाल स्याही नहीं चलेगी। यानी कि सेवा में कोई दाग नहीं लगेगा। शायद पिता के द्वारा दिए गए चंद शब्द ही राजनलाल के लिए वरदान बन गए। राजन लाल ने सबसे पहले शिक्षक की नौकरी में अनुशासन को ऊपर रखकर काम शुरू किया। वह बताते हैं कि हमने हमेशा सुबह स्कूल समय से आधा घंटा पहुंचने और छुट्टी होने पर स्कूल छोड़ने को अपनी जिंदगी में शामिल किया। इसके बाद दूसरी चीजें तो खुद ब खुद होती चली गईं। वह बताते हैं कि जिस समय स्कूल ज्वाइन किया था। उस समय छात्र संख्या 152 थी लेकिन पढ़ाई का माहौल नहीं था। अधिकांश बच्चे पढ़ाई के नाम से जी चुराते थे। बकौल राजनलाल हमने विभिन्न नवाचार शुरू किए और बच्चों के साथ-साथ उनके अभिभावकों को भी पढ़ाई की मुख्य धारा से जोड़ा। जिसका नतीजा यह हुआ कि अधिकांश बच्चे जुड़ते चले गए। आज स्कूल में सात शिक्षकों का स्टाफ है। उन्होंने बताया कि शिक्षा आपके द्वार नाम का एक नवाचार किया। हमने गांवों में लगे बिजली के खंभों, पेड़ो और शौचालयों पर गिनती, अक्षर और गणित के जोड़-घटानों के छोटे-छोटे सवालों से जुड़े बोर्ड अपने निजी पैसों से बनवाकर लगवाए। इसके साथ ही साथ बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए हमने पांच बालिकाओं को गोद लिया। पांचवीं पास करने के बाद भी इंटरमीडिएट तक की पढ़ाई पूरी कराई। एक बालिका हैलट में ओटी का प्रशिक्षण ले रही है। एक का पालीटेक्निक में चयन हुआ है। कुछ बच्चे जूनियर इंजीनियर बने हैं। एक बच्चा यूपी पीसीएस में चयनित हुआ है। और एक बच्चे का अटल आवासीय स्कूल में चयन हुआ है।

स्कूल स्टाफके साथ बच्चे।

शिक्षक राजनलाल

05 सितंबर को शिक्षक दिवस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे सम्मानित

» वर्ष 2003 से शुरू की गई कोशिशों ने अब दिखाया रंग

» शिक्षा के क्षेत्र में किए गए नवाचार बन गए मील के पत्थर

» साधारण घर परिवार में जन्में राजन ने किया असाधारण कार्य

» कुख्यात विकास दुबे के बिकरू के हैं मूल निवासी

घर से नहीं मिली यूनिफॉर्म तो अपने पैसों से बनवाई

बिल्हौर। प्रदेश सरकार बच्चों की यूनीफॉम के लिए 1200 रुपए उनके अभिभावकों के खातों में भेजती है। लेकिन बहुत कम अभिभावक ड्रेस खरीदते हैं। जिन बच्चों को ड्रेस नहीं मिलती उन्हें वह अपनी जेब से ड्रेस बनवाकर देते हैं। राजन लाल की कोशिशों से शहर के एक व्यापारी ने उन्हें स्मार्ट टेलीविजन स्कूल के लिए दिया था। दूसरा टेलीविजन और लैपटाप भी उन्होंने खुद की कोशिशों से स्कूल में लगाया। जिससे बच्चे आज हाईटेक हो रहे हैं।

घर में पत्नी का मिला साथ तो बन गई बात

राजनलाल बताते हैं कि हमने जब स्कूल में कराई जाने वाली गतिविधियों की चर्चा घर में शुरू की तो पत्नी कल्पना हमारी बातों को ध्यान से सुनने लगी। धीरे-धीरे वह समय आया कि पत्नी स्कूल के कामों में सहयोग करने लगी। जिससे घर में तैयारी करके जब स्कूल आता तो उस दिन की बात ही कुछ और होती।

मिलते-मिलते रह गया था राज्य पुरस्कार

राजनलाल को राज्य पुरस्कार पिछले वर्ष मिलते-मिलते रह गया था। राज्य पुरस्कार के लिए उन्होंने बीते वर्ष भी आवेदन किया था और पात्रता की सभी शर्तें भी पूरी कर लगी थीं। लेकिन जानकारी के अभाव में एलआईयू की रिपोर्ट नहीं लगवा पाए थे। जिसके कारण जिलाधिकारी के यहां से आवेदन पत्र खारिज कर दिया गया था।

टीएससीटी पहले ही कर चुका है सम्मानित

बंसठी के शिक्षक राजनलाल की प्रतिभा का लोहा शिक्षकों की प्रतिष्ठित संस्था टीएससीटी पहले ही मान चुकी है। टीएससीटी बीती 26 जुलाई को लखनऊ में आयोजित एक प्रदेश स्तरीय समारोह में उन्हें श्रेष्ठ शिक्षक के पुरस्कार से नवाज चुकी है। जिसके चयन के लिए मंडल संयोजक जितेंद्र कुमार, अनूप कुमार, जिला मीडिया प्रभारी और संयोजिका अंजू गुप्ता ने संस्तुति की थी। इसके बाद दो नामों में विवाद की स्थिति उत्पन्न होने पर वोटिंग कराई गई थी।

अनूठे प्रयोग से बदलाव

- **मेरी गुल्लक मेरी पहचान :** इसके तहत स्टार ऑफ्ट मंथ,
- स्टार ऑफ्ट डे और स्टार ऑफ द ईयर पुरस्कार दिया जाता है। नियमित उपस्थिति, अनुशासन और उत्कृष्ट अंक पाने पर बच्चों को स्टेशनरी देकर सम्मानित किया जाता है।
- **मन की बातः** प्रत्येक कक्षा में पेटी रखी गई है जिसमें बच्चे अपनी समस्याएं लिखकर डालते हैं और शिक्षक उनका समाधान करते हैं।

सम्पादकीय

अर्थव्यवस्था के लिए सहनशक्ति की अग्निपरीक्षा

रूसी कच्चा तेल खरीदने पर सबक सिखाने के मकसद से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा थोपे गए पचास फीसदी टैरिफ कल से लागू हो गए। निस्संदेह, यह भारतीय आर्थिकी की सहनशक्ति हेतु अग्निपरीक्षा है। एक स्वतंत्र राष्ट्र के नाते भारत को अपनी संप्रभुता की रक्षा का अधिकार है। हमने दबाव में आए बिना चुनौती का मुकाबला किया है। प्रधानमंत्री ने स्वदेशी अपनाने और आत्मनिर्भर भारत तथा मेक इन इंडिया का उद्घोष किया है। सरकार ने फ्री ट्रेड के नाम पर भारतीय बाजार में खाद्यान्न व दुग्ध उत्पाद खपाने के अमेरिकी मंसूबों पर पानी फेरा है। भारत ने स्पष्ट किया है कि भारत किसानों, दुग्ध उत्पादकों और लघु उद्योगों के हितों से किसी तरह का समझौता नहीं करेगा। इसके बावजूद आशंका है कि नये टैरिफ लगाने का कपड़ा, चमड़ा व रत्न-आभूषण जैसे श्रम प्रधान क्षेत्रों पर प्रभाव पड़ेगा। जिसके चलते लाखों भारतीयों के रोजगार पर खतरा मंडरा सकता है। निस्संदेह, पचास फीसदी टैरिफ लगाए जाने से भारतीय उत्पादों की लागत में काफी वृद्धि हो जाएगी, जिसके चलते वहां उपभोक्ता अन्य देशों के सस्ते उत्पाद तलाश सकते हैं। दरअसल, इन टैरिफों से भारत की दोहरी मुश्किलें बढ़ सकती हैं। अमेरिका न केवल भारत का बड़ा व्यापारिक साझेदार है, बल्कि ऐसा साझेदार था, जिसके कारोबार का करीब 45 अरब डॉलर का अधिशेष भारत के पक्ष में था। वहीं दूसरे बड़े व्यापार साझेदार रूस व चीन के साथ हम व्यापार घाटे की स्थिति में हैं। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद रूस से सस्ता तेल आयात कर भारत द्वारा अर्जित मौद्रिक लाभ को अमेरिका निशाने पर ले रहा है। इस चुनौतीपूर्ण स्थिति में भारत सरकार की तात्कालिक प्राथमिकताएं कपड़ा, चमड़ा और रत्न-आभूषण के लिये निर्यात खपाने वाले वैकल्पिक बाजारों की तलाश करना होना चाहिए। इसके अलावा प्रभावित व्यावसायों को वित्तीय सहायता प्रदान करके लाखों नौकरियों को बचाने की जरूरत है। साथ ही अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता को पटरी पर लाने का प्रयास हो।दरअसल, भारतीय चिंता यह है कि नये टैरिफ से अमेरिका के साथ होने वाला 66 फीसदी निर्यात प्रभावित होने जा रहा है। ऐसी स्थिति में जब अमेरिका को होने वाले बीस फीसदी भारतीय निर्यात पर टैरिफ प्रभाव दिख रहा है,तो इसका असर भारतीय अर्थव्यस्था पर होना लाजिमी है। निर्यात में कमी आने से देश में बेरोजगारी बढ़ सकती है। चिंता की बात यह है कि टैरिफ से अधिक प्रभावित होने क्षेत्र सघन श्रम वाले हैं, जिससे लाखों रोजगारों पर असुरक्षा की तलवार लटक सकती है।

कार्यप्रणाली में सुधार के हों बेहतर प्रावधान

पुष्कर जैन

नये खेल कानून में राष्ट्रीय खेल बोर्ड का गठन, चुनाव निगरानी तथा जनहित में केंद्र द्वारा कोई भी फैसला लेने का हक जैसे प्रावधान हैं। मकसद ओलंपिक मेजबानी पाने को खेल ढांचों को चुस्त-दुरुस्त व विनियमित करना है। बेहतर होता यदि नये कानून से खेल प्रदर्शन में सुधार के साथ महिलाओं के लिए समानता यकीनी बनती।हाल ही में संसद ने राष्ट्रीय खेल बिल पास किया, जो राष्ट्रपति की स्वीकृति के बाद अब कानून बन चुका है। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने इसे गत 23 जुलाई को लोकसभा में पेश किया था। इसका संदर्भ 2036 में देश में ओलंपिक आयोजन की मेजबानी पाने के लिए अपने खेल ढांचों को चुस्त-दुरुस्त व विनियमित करना बताया जा रहा है। इसमें राष्ट्रीय खेल बोर्ड का गठन, राष्ट्रीय न्यायाधिकरण का गठन, चुनाव की निगरानी तथा जनहित में केंद्र सरकार द्वारा किसी भी समय कोई भी फैसला लेने का हक अपने हाथ में लेना आदि प्रावधान किए गए हैं।

निस्संदेह, हमारे खेल ढांचों, इनकी कार्यप्रणाली तथा खेल संचालन में अत्यधिक सुधारों की जरूरत थी, मगर शायद ही वर्तमान विधेयक इन उद्देश्यों की पूर्ति करे। जहां बुनियादी तौर पर खेल जगत के शासन-प्रशासन में कई कमियां प्रतीत होती हैं वही ओलंपिक में हमारा खेल प्रदर्शन भी संतोषजनक नहीं है। बेहतर होता कि उस पहलू का संबोधन इस कानून में किया जाता। तय है कि सुविधाओं व संसाधनों के वर्तमान स्तर से तो मेडल टैली में सुधार की अपेक्षा नहीं की जा सकती। कम से कम जिन महत्वपूर्ण प्रगति उन्मुख बिंदुओं को पूर्व में नोट करते आ रहे थे, उनका संबोधन तो इस बिल के माध्यम से होना ही चाहिए था।उदाहरण के तौर पर रियो ओलंपिक में जब देश ने केवल दो मेडल जीते, उनका श्रेय महिलाओं को ही गया। पीवी सिंधु ने बैडमिंटन में सिल्वर तथा साक्षी मलिक ने कुश्ती में कांस्य जीता। तब प्रधानमंत्री ने स्वयं कहा था कि अब हम अपने 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' नारे में 'बेटी खिलाओ' भी जोड़ते हैं। उसके बाद भले उस नारे को भुला दिया गया हो, मगर बेटियां खेल में बेहतर प्रदर्शन जारी रखे हुए हैं। नारे पर कार्रवाई तो दूर की बात थी, जो हकीकत में बेटियों के साथ हुआ, उसको लेकर 2022-23 में जंतर-मंतर पर महिला खिलाड़ियों के आंदोलन का भी देश गवाह बना। खेल संचालन के जिम्मेदार पदों पर बैठे पदाधिकारियों के आचरण ने समाज व अभिभावकों के दिमाग में खेलों में बेटियों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए। इससे निराशा ही फैली जिसे छांटने का यह सही मौका था।बेहतर होता यदि खेल शासन-नियमन में ग्लोबल स्तर पर महिलाओं को खेलों में हर स्तर पर समानता व सुरक्षा सुनिश्चित करने वाली वैधानिक व्यवस्थाओं को इस विधेयक का हिस्सा बनाते।

सोशल मीडिया उपदेशकों के संजाल से बेहाल

सोशल मीडिया कितना कारगार

शुभम चौधरी

सोशल मीडिया का कोई भी मंच और सीखने-सिखाने का कोई भी क्षेत्र ऐसा नहीं बचा है, जहां सैकड़ों-हजारों उपदेशकों की फौज मौजूद न हो। इनके पास शिक्षा देने की कोई डिग्री या विशद अनुभव है भी या नहीं- चूंकि इसकी जांच का कोई तरीका नहीं है।

एक फिल्मी कहावत है कि ज्ञान जहां से भी मिले, लपेट लेना चाहिए। इस ज्ञान बांटू और बटोरू मानसिकता का अगर सबसे ज्यादा असर कहीं हुआ है, तो सोशल मीडिया उपदेशकों के क्षेत्र में हुआ है। खासतौर से सोशल मीडिया का कोई भी मंच और सीखने-सिखाने का कोई भी क्षेत्र ऐसा नहीं बचा है, जहां सैकड़ों-हजारों उपदेशकों की फौज मौजूद न हो। इनके पास शिक्षा देने की कोई डिग्री या विशद अनुभव है भी या नहीं- चूंकि इसकी जांच का कोई तरीका नहीं है। इसलिए सिर्फ प्रभावशाली उपदेश देकर बरास्ता सोशल मीडिया ये लोग शिक्षा, तकनीक, अध्यात्म से लेकर शेयर मार्केट तक में छाए हुए हैं।

इसका नतीजा क्या है- यह बानगी हाल में कथित तौर पर देश के जाने माने फाइनेंशियर इन्फ्लूएंसर और ट्रेडिंग एडवाइजर अवधूत साठे की ट्रेनिंग एकेडमी पर शेयर बाजार नियामक संस्था सेबी के छापे और तलाशी-जब्ती अभियान से स्पष्ट होती है। सेबी को अंदेशा है कि साठे की अकादमी के पाठ्यक्रमों के जरिए कम कीमत वाले (पेनी) स्टॉक्स को बढ़ावा देने वाले ऑपरेटरों के साथ मिलकर खुदरा निवेशकों को गुमराह कर रहे हैं।यूट्यूब पर करीब एक लाख नियमित सब्सक्राइबर रखने वाले साठे को लेकर संदेह है कि अपने पाठ्यक्रमों से जुड़े सेमिनार और यूट्यूब चैनल के जरिए जिस तरह से वह खुद को बाजार का विशेषज्ञ बताकर और रातोरात करोड़ों रुपये कमाने का झांसा देते हैं, उसमें कुछ न कुछ झोल अवश्य है। सेबी को इसकी तमाम शिकायतें मिली हैं कि देश में फाइनेंशियल इन्फ्लूएंसरों की एक ऐसी फौज पैदा हो गई है, जो निवेशकों को शेयर बाजार की शिक्षा देते हुए गारंटिड रिटर्न का दावा करती है, जबकि ऐसे ज्यादातर लोग सेबी के नियमों के तहत यह शिक्षा देने के लिए पंजीकृत तक नहीं हैं।हालांकि उपदेशक होना बुरा नहीं है। हर दौर में देश और समाज को दिशा दिखाने और सही-गलत का फर्क बताने वाले विद्वानों, ऋषि-मुनियों, साधु-फकीरों की जमात की मौजूदगी रही है।हाल की कुछ घटनाओं में उपदेशकों की भूमिका को संदिग्ध माना गया है। जैसे, साल के शुरू में सोशल मीडिया पर कुछ ऐसे वीडियो वायरल हुए थे कि जब मनाली से लेकर अयोध्या-काशी में पर्यटकों की फौज उमड़ी पड़ रही थी, तो उसी दौरान अपने मनोरम समुद्र तटों के लिए मशहूर गोवा के समुद्री किनारे (बीच), होटल आदि खाली पड़े थे। इन दावों को गोवा सरकार ने फर्जी बताते हुए झूठ परोसने के लिए सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसरों पर मानहानि का दावा ठोकने की बातें कही थीं। सरकार का दावा था कि कुछ सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर एक टूलकिट इस्तेमाल कर रहे हैं। इस टूलकिट के जरिए वे पर्यटकों को गोवा से मुंह मोड़कर दूसरी जगहों पर जाने की भ्रामक जानकारी दे रहे हैं।

एक अनुमान के मुताबिक हमारे ही देश में इस वक्त 40.6 लाख से ज्यादा सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर मौजूद हैं, जिनमें से 10 फीसदी हर महीने लाखों रुपये कमाते हैं।

मेडिकल स्टोर में प्रतिबंधित ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन बरामद

» चार दवाओं के नमूने जांच को भेजे

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। दवा कारोबार में लापरवाही और नियमों की अनदेखी का बड़ा मामला सामने आया है। ड्रग विभाग की टीम ने कानपुर जिले के ककवन क्षेत्र के विधन रहीमपुर स्थित कृष्णा मेडिकल हॉल पर छापेमारी कर प्रतिबंधित ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन की भारी खेप बरामद की।

ड्रग इंस्पेक्टर रेखा सचान ने बताया कि मेडिकल स्टोर का संचालन प्रदीप कुमार द्वारा किया जा रहा था। जांच के दौरान 100 एमएल की 204 शीशियां और 30 एमएल की 51 शीशियां ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन की मिलीं, जिनकी बाजार कीमत लगभग दस हजार रुपये आंकी गई है। साथ ही चार अन्य दवाओं के नमूने, जिनमें एक एंटीबायोटिक और एलर्जी की दवा सिटजिन भी शामिल है, जांच के लिए भेजे गए हैं।यह कार्रवाई एक बार फिर मेडिकल इंडस्ट्री की कमियों और लापरवाही को उजागर करती है। प्रतिबंधित और हानिकारक दवाओं की खुलेआम बिक्री न केवल कानून का उल्लंघन है बल्कि लोगों के स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा है।

विशेषज्ञों का मानना है कि दवा उद्योग में पारदर्शिता और कड़ी निगरानी की बेहद जरूरत है ताकि इस तरह की घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके।ड्रग विभाग ने कहा है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

क्यों है खतरनाक ऑक्सीटोसिन?

ऑक्सीटोसिन का इस्तेमाल दुधारू पशुओं को कृत्रिम रूप से अधिक दूध निकालने के लिए किया जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, इस तरह के दूध के सेवन से इंसानों में कई गंभीर दुष्प्रभाव हो सकते हैं–

- हार्मोनल असंतुलन
- पाचन तंत्र की गड़बड़ी
- बच्चों की आंखों पर प्रतिकूल प्रभाव
- गर्भवती महिलाओं व भ्रूण को खतरा
- यहां तक कि कैंसर जैसी गंभीर बीमारी का जोखिम भी
- दवा उद्योग की लापरवाही पर सवाल

20 दिन से रस्सी के सहारे टिका है बिजली का खंभा

» जर्जर खंभे से टला बड़ा हादसा

बिजली का खंबा दिखाते स्थानीय नागरिक

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। शहर के गोपाल नगर से सटे यादवेंद्र नगर स्थित दुर्गा मंदिर के पास एक बिजली का खंभा पिछले 20–25 दिनों से जर्जर हालत में लटका हुआ है। स्थानीय लोगों ने किसी बड़े हादसे की आशंका को देखते हुए इसे रस्सियों के सहारे बांधकर किसी तरह संभाल रखा है। क्षेत्रवासी दीपक साहू, गौरव गुप्ता, विशाल समेत अन्य लोगों ने बताया कि इस संबंध में कई बार शिकायत की जा चुकी है। पहले 19–12 पर सूचना दी गई और उसके बाद दहेली सुजानपुर केसा में भी अवगत कराया गया। अधिकारियों ने मौके पर आकर फोटो भी खींचे और आश्वासन दिया था कि दो–तीन दिन में खंभा दुरुस्त कर दिया जाएगा, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।लोगों का कहना है कि अगर समय रहते खंभे को ठीक नहीं किया गया तो किसी भी समय गंभीर हादसा हो सकता है। उन्होंने बिजली विभाग से अपील की है कि जल्द से जल्द खंभे की मरम्मत कराई जाए ताकि क्षेत्र की जनता को राहत मिल सके और संभावित खतरे से बचा जा सके।

बॉम्बे हॉस्पिटल
नियर आघू रोड, कानपुर-आगरा हाईवे, अकबरपुर, कानपुर देहात

24 घंटे इमरजेंसी सुविधा
24 घंटे एम्बुलेंस व मेडिकल स्टोर की सुविधा
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार के ऑपरेशन
हेल्पलाइन नं.: 8355017999, 8858997333

हड्डी के सभी ऑपरेशन, गुर्दे की पथरी
पित्ताशय की पथरी, फिशर, नासूर
अपेन्डिक्स, प्रोस्टेट, कैंसर की गांठ, भगंदर
हर्निया, हाइड्रोसील, छाती का कैंसर
पेट की चोट व अन्य समस्याएं
बच्चेदानी व अण्डाशय की गांठ
घुटने का प्रत्यारोपण, पाइल्स (बवासीर)

डॉ. सुरेश यादव
डायरेक्टर

कानपुर पुलिस लाइन बैरक हादसा: मृतक कांस्टेबल के परिजनों को 25 लाख मुआवजा

» एनएचआरसी कोर्ट के आदेश पर उत्तर प्रदेश सरकार ने दिया लाभ

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। पांच साल पहले कानपुर पुलिस लाइन की 105 साल पुरानी जर्जर बैरक ढहने से हुए हादसे में मृतक कांस्टेबल अरविन्द सिंह के परिजनों को आखिरकार इंसाफ मिला है। नेशनल ह्यूमन राइट्स कमीशन (एनएचआरसी) कोर्ट के आदेश पर उत्तर प्रदेश शासन ने कुल 25 लाख रुपये का मुआवजा भुगतान किया है।यह मामला 24 अगस्त 2020 का है, जब पुलिस लाइन की छत गिरने से कांस्टेबल अरविन्द सिंह की मौत हो गई थी, जबकि हेड कांस्टेबल अमृत लाल, कांस्टेबल राकेश कुमार और कांस्टेबल मनीष कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

ब्रिटिश कालीन 105 साल पुरानी बैरक की इसी छत के ढह जाने से हुए हादसे में कांस्टेबल अरविन्द की मौत हुई थी

हादसे के बाद न्याय की लड़ाई कानपुर आवास विकास, केशवपुरम निवासी सामाजिक कार्यकर्ता एवं केंद्रीय सूचना तकनीकी परियोजना के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर पंकज कुमार सिंह ने लड़ी। उन्होंने 14 सितम्बर 2020 को एनएचआरसी में रिट दाखिल की थी, जिसे 12 अक्टूबर 2020 को स्वीकार कर लिया गया।

करीब 5 वर्षों तक चली 17 सुनवाइयों के बाद, 19 अगस्त 2025 को एनएचआरसी कोर्ट ने राज्य सरकार को मुआवजा देने का आदेश सुनाया।

शासन ने आदेश का पालन करते हुए मृतक अरविन्द सिंह की पत्नी श्रीमती नीलेश कुमारी को 20 लाख रुपये और आश्रित मां श्रीमती प्रेमश्री को 5 लाख रुपये प्रदान किए।

हालाँकि, अभी तक हादसे में घायल तीन अन्य पुलिस कर्मियों को मुआवजा दिए जाने की पुष्टि नहीं हुई है।

इस पर कोर्ट ने उत्तर प्रदेश शासन के मुख्य सचिव और गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव

को निर्देशित किया है कि 4 सप्ताह के भीतर शेष घायलों के मुआवजे का भुगतान कर उसका प्रमाण प्रस्तुत करें।

याचिकाकर्ता पंकज कुमार सिंह ने कहा–

यह मामला न सिर्फ आम नागरिकों के अधिकारों बल्कि पुलिस कर्मियों के मानवाधिकारों से भी जुड़ा था। न्याय की इस लड़ाई में 5 साल लगे, उम्मीद है कि अब पीड़ित परिवारों को वास्तविक राहत मिल सकेगी।

नगर निगम सफाई कर्मचारी के साथ दबंगई और मारपीट

» कार्रवाई न होने से कर्मचारियों में आक्रोश, बादशाही थाना पहुंच का सफाई कर्मियों ने जताया विरोध

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। नगर निगम में तैनात सफाई कर्मी के साथ दबंगों द्वारा मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित सफाई कर्मी ने थाने में शिकायत दर्ज कराई, लेकिन कार्रवाई न होने से कर्मचारियों में गहरी नाराज़गी व्याप्त है।

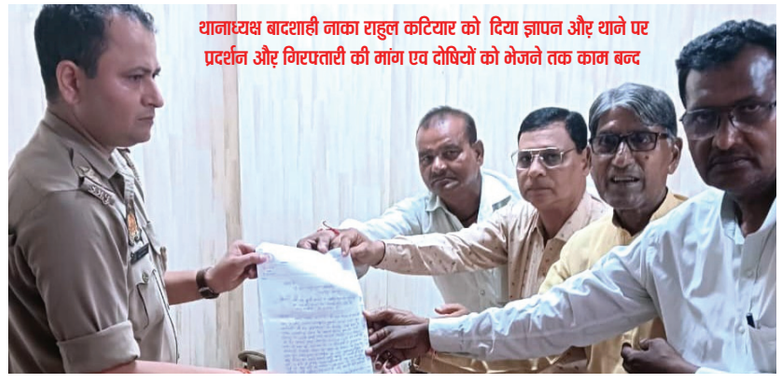

थानाध्यक्ष बादशाही नाका राहुल कटियार को दिया ज्ञापन और थाने पर प्रदर्शन और गिरफ्तारी की मांग एव दोषियों को भेजने तक काम बन्द

प्राप्त जानकारी के अनुसार, नगर निगम वार्ड-71 में तैनात सफाई कर्मचारी राजकुमार पुत्र स्व. पन्नालाल रोज की तरह बुधवार को सफाई कार्य कर रहे थे। उसी दौरान स्थानीय युवक कृष्णा सोनकर ने उन्हें काम करने से रोका। मना करने पर आरोपी ने गाली-गलौज शुरू कर दी और देखते ही देखते मारपीट कर दी। हमले में सफाई कर्मचारी को चोटें भी आईं।पीड़ित ने थाना बादशाही नाका में लिखित प्रार्थना पत्र देकर बताया कि आरोपित न केवल सरकारी कार्य में बाधा डाल रहा है, बल्कि जान से मारने की धमकी भी दे रहा है। इसके बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

सफाई कर्मचारियों में आक्रोश

घटना से नाराज़ नगर निगम के अन्य सफाई कर्मचारी लामबंद हो गए हैं। उनका कहना है कि अगर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

नगर निगम सेनेटरी सुपरवाइजर कर्मचारी संघ के महामंत्री उस्मान अली ने कहा कि आरोपित के खिलाफ तुरंत प्राथमिकी दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं न हों।

पीड़ित की तहरीर के बावजूद कार्रवाई न होना स्थानीय पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रहा है। कर्मचारियों का कहना है कि अगर सफाई कर्मी सुरक्षित नहीं रहेंगे तो शहर की साफ-सफाई व्यवस्था भी प्रभावित होगी। मामले की जानकारी जोनल स्वास्थ्य अधिकारी को भी दी गईहै।

सफाई कर्मचारियो के हितों के लिए सौंपा गया 4 सूत्रीय मांग पत्र

उत्तर प्रदेशीय चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी महासंघ, जनपद कानपुर देहात सक्रिय हो गया

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात।उत्तर प्रदेशीय चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी महासंघ, जनपद कानपुर देहात के तत्वाधान में कर्मचारी हितों को लेकर एक महत्वपूर्ण ज्ञापन जिला पंचायत राज अधिकारी को सौंपा गया। ज्ञापन में 4 सूत्रीय मांग पत्र रखा गया, जिसकी मुख्य मांग एसीपी में संशोधन से संबंधित रही।

जिला प्रशासन ने कर्मचारियों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए 15 दिन के भीतर समाधान का आश्वासन दिया है। इस कार्यक्रम में जनपद के 10 विकास खंडों से सैकड़ों कर्मचारी बड़ी संख्या में शामिल हुए। कार्यक्रम की अगुवाई प्रदेश उपाध्यक्ष भारत सिंह, राज्य कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष महेश प्रसाद गुप्ता, जिलाध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह एवं जिला मंत्री आशुतोष कुमार ने की।

इस मौके पर संगठन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता—अरविंद कुमार गौतम, अनिल कुमार गौतम, राधेश्याम पाल, बलवान सिंह, सुरेश कुमार, महेश चंद्र वाल्मीक, सोनू, मोहम्मद आदिल, राजेंद्र कुमार, पवन कुमार, रमेश कुमार, गोल्डी, दिलीप कुमार, आदेश कुमार, राकेश यादव सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे।

संगठन ने स्पष्ट किया कि यदि निर्धारित समय सीमा में मांगों का निस्तारण नहीं किया गया तो आंदोलनात्मक कदम उठाए जाएंगे।

जलभराव से चौथे दिन भी स्कूल ठप, कमरों में भरा रहा पानी

- शिक्षकों ने पानी से होकर की सफाई, बच्चों ने स्कूल आने से किया परहेज
- नगर पंचायत की अनदेखी से नालों में भरा सिल्ट, जल निकासी ठप

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। शिवली नगर में भीषण जलभराव की समस्या ने स्कूली शिक्षा को पूरी तरह ठप कर दिया है। लगातार तीन दिनों से बंद पड़े पूर्व माध्यमिक बालिका विद्यालय को गुरुवार को खोला गया, लेकिन कक्षाओं में पानी भरा रहने के कारण पढ़ाई नहीं हो सकी। प्रधानाध्यापिका निकत फातिमा सहित शिक्षक पानी से होकर कक्षाओं तक पहुंचे और खुद सफाई कराई।इसी तरह पास के पूर्व माध्यमिक विद्यालय और मॉडल प्राथमिक विद्यालय को भी खोला गया, मगर मैदान व परिसर में जलभराव होने से बच्चे स्कूल नहीं पहुंचे।

शिक्षकों ने कक्षाओं की सफाई कर राहत की सांस तो ली, लेकिन शिक्षा व्यवस्था चौथे दिन भी ठप रही।स्थानीय लोगों ने बताया कि नगर पंचायत प्रशासन की अनदेखी से जलभराव की समस्या विकराल हो गई है। बरसात से पहले आठ पक्के नाले बनाए गए थे ताकि पानी पांडु नदी में निकल सके, लेकिन नालों में सिल्ट भर जाने से जल निकासी पूरी तरह रुक गई। प्रशासन ने जून में औपचारिकता निभाने के लिए बुलडोजर से नालों की हल्की सफाई जरूर कराई थी, पर वास्तविक कार्य नहीं हुआ।

रविवार रात की झमाझम बारिश के बाद स्थिति बिगड़ गई। साकेत नगर, सुभाष नगर, शिवाजी नगर, गांधी नगर और शंकर नगर समेत कई मोहल्लों में पानी भर गया। नतीजतन इन इलाकों के स्कूलों में भीषण जलभराव हो गया और तीन दिन तक बंद रखने पड़े।नगर पंचायत प्रशासन की देर से शुरू हुई कार्रवाई के बाद गुरुवार को बुलडोजर लगाकर नालों की सिल्ट हटवाई गई, तब जाकर जलभराव की स्थिति कुछ हद तक काबू में आई। प्रधानाध्यापक परिपूर्णानंद, शिक्षिका रमा शुक्ला और मॉडल प्राथमिक विद्यालय की प्रधानाध्यापिका रश्मि बाजपेई ने भी शिक्षकों संग मिलकर कक्षाओं की सफाई कराई। हालांकि, जलभराव की समस्या पूरी तरह दूर न होने के कारण छात्र-छात्राओं ने स्कूल आने से परहेज किया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार RNI No.: UPHIN/2023/86769 | Email: swarajindia2023@gmail.com | Mob: 7800009853, | Website: www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

फांसी प्रकरण में नया मोड़, मृतक के पिता ने बहू पर लगाए गंभीर आरोप

» जमीन के बंटवारे और अवैध संबंधों का लगाया आरोप

» वायरल वीडियो की जांच में जुटी पुलिस, पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात (माती)। गजनेर थाना क्षेत्र के तिलौची ग्राम पंचायत में श्रमिक हरिश्चन्द्र (25) की फांसी लगाकर हुई मौत मामले ने नया मोड़ ले लिया है। मृतक के पिता कालीचरन ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर अपनी बहू राखी पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

कालीचरन ने दिए प्रार्थना पत्र में कहा कि उनकी बहू जमीन अपने नाम कराने को लेकर बेटे पर लगातार दबाव बना रही थी। इसी बात को लेकर घर में विवाद होते रहते थे। उन्होंने आरोप लगाया कि बहू के किसी अन्य व्यक्ति से संबंध भी थे और साजिशन उनके सीधे-साधे बेटे को फांसी पर लटका दिया गया।

पिता का कहना है कि घटना की जानकारी परिजनों को देर से दी गई। बहू ने शव को एम्बुलेंस से जिला अस्पताल भेजवाया। आरोप है कि वह संपत्ति हड़पने के इरादे से उन्हें धमकी भी देती है। कालीचरन का कहना है कि उनकी बहू ने धमकी दी तुम सब मेरे कहने पर चलोगे, नहीं तो तुम्हें भी मार दूंगी।

इसी बीच मृतक के पिता का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने बहू पर गंभीर आरोप लगाए हैं। हालांकि स्वराज इंडिया इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। पुलिस ने पूरे मामले में जांच शुरू कर दी है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।गजनेर थाना पुलिस का कहना है कि परिजनों के आरोपों की जांच की जा रही है। सभी तथ्यों को एकत्र किया जा रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद स्थिति स्पष्ट होगी।

पारिवारिक विवाद से टूटकर श्रमिक ने की आत्महत्या

» पत्नी से जमीन विवाद को लेकर था तनाव

अस्पताल ले जाने पर डॉक्टर ने किया मृत घोषित

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात (माती)। गजनेर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत तिलौची में बीती रात घरेलू विवाद से परेशान एक श्रमिक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान 25 वर्षीय हरिश्चंद्र के रूप में हुई है, जो घरों में पेंटिंग का काम कर परिवार का भरण-पोषण करता था। घटना के समय उसकी पत्नी राखी घर में मौजूद थी।

जानकारी के मुताबिक, हरिश्चंद्र ने कमरे में पंखे के कुंडे से रस्सी के सहारे फांसी लगा ली। पत्नी राखी ने जब पति को लटका देखा तो शोर मचाया और तुरंत रस्सी काटकर नीचे उतारा। पड़ोसियों की मदद से निजी वाहन से जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

ग्रामीणों के अनुसार, हरिश्चंद्र की मां भूरी देवी की मृत्यु दो वर्ष पहले हो चुकी थी।

उनके नाम पर कुछ जमीन थी, जिसे अपने नाम कराना हरिश्चंद्र चाहता था।

वहीं उसकी पत्नी भी उस जमीन में हिस्सेदारी चाहती थी। इसी बात को लेकर दंपति के बीच विवाद चलता था। घटना के एक दिन पहले भी पति-पत्नी में कहासुनी हुई थी। पुलिस का मानना है कि जमीन के विवाद और घरेलू तनाव के चलते हरिश्चंद्र ने आत्मघाती कदम उठाया।

सूचना पर गजनेर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया। मृतक के पिता कालीचरन और पत्नी राखी का रो-रोकर बुरा हाल है।

पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और परिजनों से बयान दर्ज किए जा रहे हैं।

दिवंगतों की अंतिम यात्रा में पहुंचे विधायक राहुल बच्चा

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। ककवन चांदेताल मोड़ पर गुरुवार को हुए भीषण सड़क हादसे में दिवंगत हुए ककवन निवासी रामशरण पाल और ग्राम फत्तेपुर निवासी ऋषभ पाल का गुरुवार रात पोस्टमार्टम के बाद पार्थिव शरीर गांव लाया गया। शव घर पहुंचते ही परिजनों में कोहराम मच गया और पूरा गांव शोक की लहर में डूब गया।

शुक्रवार को दोनों दिवंगतों की अंतिम यात्रा निकाली गई। यात्रा में क्षेत्र भर से सैकड़ों लोग शामिल हुए। गमगीन माहौल में हर किसी की आंखें नम थीं। शवयात्रा के दौरान लोगों ने नम आंखों से अंतिम विदाई दी। इस दुखद घड़ी में बिल्हौर विधायक राहुल बच्चा सोनकर भी अंतिम यात्रा में शामिल हुए और परिजनों का दर्द साझा किया। इस दौरान वह भावुक भी हो गए। पूर्व जिला पंचायत सदस्य अखिलेश ने कहा कि यह हादसा पूरे क्षेत्र के लिए गहरी क्षति है। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्माओं को शांति मिले और परिजनों को यह दुख सहने की शक्ति मिले।दोनों का अंतिम संस्कार शुक्रवार को खेरेश्वर घाट पर किया गया।

बिल्हौर में पूरी रात चला पुलिस का कॉम्बिंग ऑपरेशन

नानामऊ तिराहा से राजेपुर कट तक पुलिस का कड़ा पहरा

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। चोरी और खेतों से इंजन चुराने की हुई वारदातें और बदमाशो की घुसपैठ की अफवाहों ने बिल्हौर को थाने में तब्दील कर दिया। गुरुवार की रात कस्बा किसी किले से कम नहीं लगा। हर रास्ते पर चेकिंग प्वाइंट, भारी पुलिस बल की तैनाती और हर आने-जाने वाले पर बाज़ जैसी नजर..पूरी रात सर्च ऑपरेशन चलता रहा। पुलिस ने ऐसा जाल बिछाया कि कस्बे से गुजरने वाला कोई भी शख्स बिन जांच के आगे नहीं बढ़ सका। नानामऊ तिराहा, मकनपुर मोड़, राजेपुर कट के पास ककवन रोड और सराफा बाजार समेत तमाम जगहों पर पुलिस फोर्स तैनात रही। सीमा चेकिंग से लेकर गलियों तक पुलिस का सख्त पहरा रहा। बिल्हौर इंस्पेक्टर अशोक कुमार सरोज ने स्वराज इंडिया से बातचीत में कहा पुलिस ने हर पॉइंट पर चौकसी बढ़ा दी है। चोरी करने वालों के लिए अब बिल्हौर से निकलना नामुमकिन है। संदिग्ध गतिविधि मिलते ही कड़ी कार्रवाई होगी।गांव-गांव में गश्त तेज कर दी गई है ताकि खेतों से इंजन चोरी जैसी घटनाओं पर रोक लगाई जा सके। पुलिस के रातभर चले इस अभियान ने कस्बे को छावनी में बदल दिया। लोगों का कहना है कि पुलिस की सख्ती से अब चैन की उम्मीद जगी है। पुलिस ने साफ कर दिया है कि जब तक इलाका पूरी तरह सुरक्षित नहीं होता, अभियान जारी रहेगा।

इंस्पेक्टर अशोक कुमार सरोज टीम संग गुजरात नंबर कार की संदिग्ध गतिविधि पर घेराबंदी कर चेकिंग करते हुए।

विष कन्या की चहल-कदमी, पुलिस का पहरा देख उलटे पांव लौटी

बिल्हौर। स्वराज इंडिया अख़बार ने पूर्व में कई खबरें प्रकाशित कर विष कन्या के काले खेल को उजागर किया था।वह लेडी जो अपने प्यार का मीठा ज़हर देकर लोगों को अपना दीवाना बना रही थी। पुलिस की चेतावनी के बाद उसने कस्बा छोड़ दिया था।सूत्रों का दावा है कि वही विष कन्या बीती रात दोबारा कस्बे में देखी गई।और ग्राहकों की तलाश में भटकती रही, मगर इस बार हालात बदल चुके थे। हर मोड़ पर पुलिस का पहरा था।पुलिस की सख्ती का आलम यह रहा कि हालात भांपते ही उसने तुरंत दिशा बदली और उलटे पांव लौट गई।

महापौर की कैबिनेट में 6 नए सदस्य शामिल

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर।नगर निगम सदन की बैठक में महापौर की कैबिनेट का विस्तार किया गया।

इस दौरान 06 नए सदस्यों का निर्वाचन सर्वसम्मति से हुआ, जिनमें भाजपा के 05 और सपा के 01 सदस्य शामिल हैं।

सभी नवनिर्वाचित सदस्यों को महापौर प्रमिला पांडे ने माला पहनाकर स्वागत किया और बधाई दी। इस मौके पर महापौर ने कहा कि नई टीम नगर निगम के विकास कार्यों और जनहित की योजनाओं को और गति देगी।

कार्यकारिणी में शामिल नए सदस्य हैं

भवानी शंकर राय (भाजपा)
राजकिशोर यादव (भाजपा)
अभिनव शुक्ला (भाजपा)
नित्या बाजपेई (भाजपा)
नीरज कुरील (भाजपा)
मधु यादव (सपा)

(स्वराज इंडिया की खबर का असर)

नाम बदलने के विवाद से बैकफुट पर अयोध्या महापौर

» मामला तूल पकड़ता देख डैमेज कंट्रोल में जुटे महापौर

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। प्रमोद वन मार्ग का नाम बदलकर कांची के शंकराचार्य जयेंद्र सरस्वती के नाम पर रखने के नगर निगम के फैसले ने अयोध्या की सियासत में भूचाल ला दिया। स्वराज इंडिया की खबर के बाद मामला तूल पकड़ने पर महापौर महंत गिरीशपति तिवारी को पागल दास जी के उत्तराधिकारी महंत विजयराम दास से मुलाकात कर सफाई देनी पड़ी।पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडेय ने आरोप लगाया बीजेपी अयोध्या की संस्कृति पर कुठाराघात कर रही है।संतों का सम्मान धूल-धूसरित करना किसी कीमत पर स्वीकार नहीं।पत्थर मंदिर के महंत मनीष दास और डांडिया मंदिर के महंत गिरिश दास ने भी नाराजगी जताई।

महापौर ने दी सफाई

महंत तिवारी ने विजयराम दास से मुलाकात के बाद कहा पागलदास जी अयोध्या की सांस्कृतिक धरोहर हैं। उनकी स्मृतियों को संरक्षित करने के लिए ठोस योजना बनाई जा रही है।

कौन थे स्वामी पागल दास जी महाराज

अयोध्या के स्वामी पागल दास जी एक महान 20वीं सदी के मृदंग वादक थे, जिनका असली नाम पं. राम शंकर दास था। उन्होंने संगीत के माध्यम से अयोध्या की एक अलग पहचान बनाई और उन्हें मृदंग सम्राट के रूप में जाना जाता है। वे एक फक्कड़ संत थे और उन्होंने संगीत की शिक्षा विभिन्न दिग्गजों से ली, जिसमें बिहार के कोदऊ सिंह भी शामिल थे, जिन्होंने उन्हें अपना मानस-पुत्र घोषित किया था।

मुख्य अभियंता पर गिरी गाज, करोड़पति जेई पर क्यों मेहरबान सिस्टम?

» अयोध्या बिजली विभाग में घोटालों की जड़ें कितनी गहरी हैं, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि विवादों में घिरे मुख्य अभियंता अशोक कुमार चौरसिया को हटाने के बावजूद भ्रष्टाचार की असली जड़ें अभी भी बची हुई हैं।

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। बिजली विभाग में घोटालों का काला सच एक बार फिर उजागर हुआ है। मुख्य अभियंता अशोक कुमार चौरसिया को उनके पद से हटाने की खबर ने हलचल मचा दी है। यह कार्रवाई रुदौली विधायक रामचन्द्र यादव की शिकायत के बाद हुई, जिन्होंने लंबे समय से विभागीय भ्रष्टाचार को लेकर आवाज उठाई थी। लेकिन सवाल यह है कि चौक क्षेत्र के करोड़पति जूनियर इंजीनियर (जेई) नरेश जायसवाल पर कार्रवाई क्यों नहीं हुई?

सूत्रों के मुताबिक नरेश जायसवाल ने विभागीय पोस्टिंग और बिजली कनेक्शन से लेकर बड़े ठेकों तक में करोड़ों का साम्राज्य खड़ा कर लिया है। विधायक रामचंद्र यादव ने सीएम को भेजे गए एक अन्य पत्र में लिखा है कि नरेश जायसवाल, वर्ष 2003 से फैजाबाद नगर मे ही विभिन्न स्थानों (सिविल लाइन लालबाग नाका तथा राम की पैडी) पर जेई के पद पर विद्युत विभाग में कार्यरत हैं। इनके द्वारा बिजनेस प्लान वित्तीय वर्ष 2022-23, 2023-2024, 2024-25 में स्टोर से कितनी सामग्री निर्गत हुई व इन्होंने कितनी सामग्री का प्रयोग किया। इसकी जॉच किसी अन्य बाहर की एजेन्सी से कराया जाना अत्यन्त आवश्यक है। इनके पैतृक गाँव नवीगंज सोहावल,

उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड
U. P. Power Corporation Limited
(U.P.Govt. Undertaking)
शक्ति भवन, 14-अशोक मार्ग, लखनऊ-226001

संख्या-151-अ0प्र0(2ब)/पाकालि/2025 — दिनांक : 28.08.2025

कार्यालय-ज्ञाप

अधिकारियों की सेवानिवृत्ति एवं प्रोन्नति के फलस्वरूप उत्पन्न रिक्तियों के कारण निगम हित में निम्नांकित मुख्य अभियन्ता स्तर-2 को तालिका के स्तम्भ संख्या-3 में उल्लिखित कार्यालय/निगम से तत्काल प्रभाव से एतद्द्वारा स्थानान्तरित करते हुये स्तम्भ संख्या-4 में उल्लिखित निगम/कार्यालय को आवंटित किया जाता है:-

क्र0 सं0	नाम/अभि0सं0/ईआरपी आई0डी0/ गृह जनपद/से0नि0 की तिथि	वर्तमान पदनाम एवं कार्यालय/निगम	स्थानान्तरण के पश्चात् तैनाती का कार्यालय/आवंटित निगम
1	2	3	4
1	श्री अशोक चौरसिया/ 91097/11000350/ गोरखपुर/30.06.2026	मुख्य अभियन्ता स्तर-2 एवं मुख्य अभियन्ता, अयोध्या क्षेत्र, मविविनिलि, अयोध्या।	पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लि0।

1 उपर्युक्त आदेश जनहित याचिका संख्या-79/1997 में माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेश दिनांक 21.03.2007 में निहित निर्देशों के अनुरूप हैं।

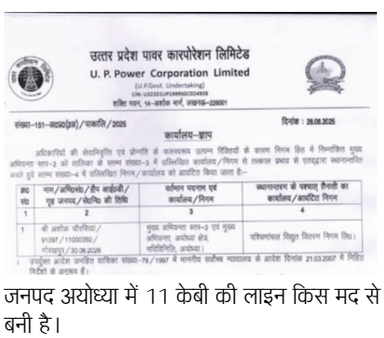

जनपद अयोध्या में 11 केबी की लाइन किस मद से बनी है।

अयोध्या में जेई पर कर रहा जमीन की खरीद बिक्री का धंधा

पत्र में लिखा गया है कि इनके द्वारा प्रापर्टी डीलर का कार्य किया जा रहा है इन्होंने निराला नगर अयोध्या में 2 डबल स्टोरी मकान बनाया है और तैनाती स्थल बिजली घर चौक के बगल में कामाशियल भवन भी इनके द्वारा बनाया गया है। उक्त कामाशियल भवन में ही इनके द्वारा अपने पुत्र व पुत्रवधु के नाम से सोलर एजेन्सी भी चलाई जा रही है और उपभोक्ताओं को अपने यहाँ से ही सोलर की खरीददारी के लिये बाध्य करते है। इनके द्वारा किये जा रहे प्रापर्टी डीलिंग के कार्य में मुख्य अभियन्ता (विद्युत) अशोक कुमार चौरसिया भी पार्टनर हैं। इनके लिये मुख्य अभियन्ता अशोक कुमार चौरसिया ने डीओ लेटर भी लिखा है कि इनका स्थानान्तरण कहीं न किया जाय। जबकि मुख्य अभियन्ता के द्वारा कई विधवा महिलाओं का स्थानान्तरण दूसरे जिले में कर दिया गया है जबकि कुछ महिलाओं की सेवानिवृत की अवधि 6 माह शेष हैं। इस तरह ये अधिकारी आकंठ भ्रष्टाचार में डूबे हैं। विधायक ने मुख्यमंत्री से उनकी भी शिकायत की थी। बावजूद इसके, आज तक कोई विभागीय कार्रवाई नहीं हुई।क्या यह महज एक दिखावटी कदम है? या बड़े अफसरों और नेताओं का संरक्षण इस घोटाले के असली चेहरों को बचा रहा है?

मुख्य अभियंता अशोक चौरसिया

सुधरने लगे भारत-चीन के संबंध

चीनी राष्ट्रपति के सीक्रेट लेटर ने पलट दिया गेम..

नई दिल्ली। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंपने चीन के साथ व्यापार युद्ध की शुरुआत की थी, उसी समय चीन भारत के साथ शांतिपूर्ण तरीके से अपना संबंध सुधारने की कोशिश में लग गया।

चीनी राष्ट्रपति ने लिखी थी भारत को चिट्ठी : बता दें कि ब्लूमबर्ग ने इस पूरे मामले से परिचित एक भारतीय अधिकारी के हवाले से बताया कि चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को एक पत्र लिखा था। इस सीक्रेट पत्र के माध्यम से उन्होंने दोनों देशों के बीच संबंध को और बेहतर बनाने की इच्छा व्यक्त की। इस पत्र के माध्यम से उन्होंने किसी भी ऐसे अमेरिकी समझौते पर चिंता व्यक्त की थी, जो चीन के हितों को नुकसान पहुंचा सकता है। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया कि इस पत्र को पीएम मोदी के पास भी पहुंचाया गया था।

पटना कांग्रेस दफ्तर पर बीजेपी वर्कर्स के बवाल पर बोले राहुल गांधी

'मारो-तोड़ो, जितना मारना-तोड़ना है...'

पीएम मोदी और उनकी दिवंगत मां पर अपमानजनक टिप्पणी करने का लगा था आरोप

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

पटना। कांग्रेस ने बीजेपी कार्यकर्ताओं पर अपने पटना दफ्तर के अंदर घुसपैठ करने और वहां खड़े वाहनों में तोड़फोड़ करने का आरोप लगाया। यह वाकया तब हुआ जब बीजेपी कार्यकर्ता पीएम मोदी और उनकी दिवंगत मां पर की गई अपमानजनक टिप्पणी को लेकर पटना में कांग्रेस कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे।

बिहार की राजधानी पटना में भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच शुक्रवार को झड़प हो गई। भाजपा कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी की मतदाता अधिकार यात्रा के दौरान दरभंगा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी दिवंगत मां के खिलाफ की गई अपमानजनक टिप्पणी के विरोध में कांग्रेस कार्यालय पर धावा बोल दिया। इस दौरान उनके और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच लाठी-डंडे और ईंट-पत्थर चल गए।

वहीं, जनता दल यूनाइटेड नेता और बिहार सरकार में मंत्री अशोक चौधरी ने भाजपा कार्यकर्ताओं के द्वारा कांग्रेस दफ्तर में घुसकर तोड़फोड़ और हंगामा करने की निंदा की। उन्होंने कहा, 'किसी भी पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा किसी अन्य पार्टी के कार्यालय के अंदर घुसकर हंगामा करना सही नहीं है।'

कांग्रेस दफ्तर पर बीजेपी कार्यकर्ताओं का धावा : रिकॉर्ड वीडियो में कई बीजेपी कार्यकर्ता पटना स्थित कांग्रेस कार्यालय के गेट पर लात मारते और फिर अंदर घुसते हुए दिखाई दे रहे हैं। एक अन्य वीडियो में, दोनों दलों के कार्यकर्ता और समर्थक पटना स्थित कांग्रेस कार्यालय के बाहर पार्टी के झंडे लगे लाठियों से एक-दूसरे को पीटते हुए दिखाई दे रहे हैं। एक कांग्रेस कार्यकर्ता ने चेतावनी दी कि उनकी पार्टी भाजपा की इस हरकत का जवाब देगी। आशुतोष नाम के एक कांग्रेस कार्यकर्ता ने समाचार एजेंसी एएनआई से कहा, 'करारा जवाब दिया जाएगा। यह सब सरकार की संलिप्तता से हो रहा है। नीतीश कुमार गलत कर रहे हैं।' इस बीच, भाजपा कार्यकर्ताओं ने कुछ दिन पहले दरभंगा में राहुल गांधी की रैली के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और उनकी दिवंगत मां के खिलाफ की गई गाली-गलौच को लेकर कांग्रेस से बिना शर्त माफी की मांग की।

पीएम को अपशब्द कहने वाला आरोपी अरेस्ट : दरभंगा पुलिस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी मां के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले मोहम्मद रिजवी उर्फराजा को गिरफ्तार कर लिया है। दरभंगा में हुई इस घटना का एक वीडियो वायरल हो गया है। वीडियो में कांग्रेस कार्यकर्ता मंच से प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करते दिख रहे हैं, जिस पर राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और तेजस्वी यादव के पोस्टर लगे हुए थे। इसी जगह से राहुल गांधी, उनकी बहन और कांग्रेस महासचिव प्रियंका वाड्रा और राजद नेता तेजस्वी यादव मोटरसाइकिल पर मुजफ्फरपुर के लिए खाना हुए थे।

कांग्रेस ने इस घटना से खुद को किया अलग : कांग्रेस ने इस घटना से खुद को अलग कर लिया है। कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने कहा कि पार्टी इस तरह की भाषा को स्वीकार नहीं करती और इस कृत्य की निंदा करती है।

नाटकीय अंदाज

श्रद्धा का पता बताने वाले को उसके माता पिता ने 51 हजार का इनाम देने का ऐलान किया था

7 दिन बाद '7 फेरे' लेकर थाने पहुंची इंदौर की लापता श्रद्धा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

इंदौर। इंदौर में पिछले 7 दिन से लापता श्रद्धा तिवारी एकदम नाटकीय अंदाज में वापस लौट आई है। लेकिन वह अकेली नहीं लौटी साथ में पति को भी लाई है। श्रद्धा के घर से भागने और वापस लौटने की कहानी एक दम करीना और शाहिद कपूर की फिल्म जब वी मेट जैसी है। जैसे घर से भागी करीना को रतलाम स्टेशन पर फिल्म के हीरो शाहिद कपूर मिले थे बिल्कुल वैसे ही श्रद्धा को करणवीर मिल गया।

श्रद्धा तिवारी ने शादी कर ली है, वो भी अपने ही कॉलेज के एक लड़के के साथ। लड़के का नाम करणदीप है। करण श्रद्धा के कॉलेज में इलेक्ट्रिशियन का काम करता था। दोनों अब शादी के बंधन में बंध चुके हैं। पुलिस लगातार उसकी तलाश कर रही थी। परिवार भी बेटी के लापता होने से काफी परेशान था।

घर लौट आई इंदौर की लापता बेटी : श्रद्धा शुक्रवार सुबह अपने पति के साथ इंदौर के एमआईजी थाने पहुंची। फिलहाल पुलिस उससे पूछताछ करने में जुटी है। पुलिस को गुरुवार देर रात पता चला था कि श्रद्धा मंदसौर में है और उसका अपने माता-पिता से संपर्क हुआ है। बता दें कि बेटी के लापता होने के बाद से परिवार बहुत ही परेशान था। श्रद्धा तिवारी का पता बताने वाले को उसके माता पिता ने 51 हजार का इनाम देने का ऐलान किया था। साथ ही घर के बाहर उसकी तस्वीर भी टोटके तौर पर उल्टी लटकाई गई थी।

लापता श्रद्धा ने तो शादी कर ली, परिवार को पता भी नहीं : श्रद्धा तिवारी पिछले एक हफ्ते से भी ज्यादा समय से लापता थी। बता दें कि श्रद्धा इंदौर रेलवे स्टेशन से रतलाम के लिए रवाना हुई थी। अब पता चला है कि उसने अपने कॉलेज के करनदीप सिंह से शादी कर ली है। वह इंदौर के पालदा का रहने वाला है। अब वह थाने में पुलिस के सामने अपना बयान दर्ज करवा रही है। एमआईजी थाने में मौजूद है। एडिशनल डीसीपी ने बताया कि श्रद्धा के परिजनों ने सार्थक पर शक जताया था। लेकिन जब सार्थक से बातचीत की गई तो उसने बताया कि उनका झगड़ा चल रहा था, इसलिए उनकी बातचीत नहीं हो रही थी।

करण संग इंदौर से मंदसौर गई, कर ली शादी : श्रद्धा अपने परिजनों के साथ सुबह एमआईजी थाना पहुंची, फिलहाल उसका स्टेटमेंट रिकॉर्ड किया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक सार्थक ने श्रद्धा को रेलवे स्टेशन पर मिलने बुलाया था। पर जब सार्थक नहीं आया तो श्रद्धा ट्रेन में अकेले चढ़ गई। रास्ते में उसे अपना दोस्त करण मिला। जिसके साथ महेश्वर मंडलेश्वर चली गई। वहां पर दोनों ने शादी कर ली, जिसके बाद दोनों इंदौर वापस लौट आए। पुलिस फिलहाल करण और श्रद्धा के साथ उनके परिवार से भी पूछताछ कर रही है।